Series ONS

SET-3

कोड नं.
Code No. 61/3

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **13+1** मानचित्र हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **17** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।
- Please check that this question paper contains **13** printed pages and **1** Map
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **17** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इतिहास

HISTORY

निर्धारित समय : 3 घण्टे
Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 80
Maximum Marks : 80

सामान्य निर्देश :

(i) ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं।*

(ii) *प्रश्न संख्या **1** से **3** **दो** अंकों वाले हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **30** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।*

(iii) *प्रश्न संख्या **4** से **9** **चार** अंकों वाले हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **100** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए। विद्यार्थियों को इस खण्ड से केवल **पाँच** प्रश्नों को हल करना चाहिए।*

(iv) *प्रश्न संख्या **10** मूल्य आधारित प्रश्न है और **अनिवार्य** है, यह प्रश्न भी **चार** अंक का है।*

(v) *प्रश्न संख्या **11** से **13** **आठ** अंकों वाले हैं। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **350** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।*

(vi) *प्रश्न संख्या **14** से **16** स्रोत आधारित हैं। इनमें कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है।*

(vii) *प्रश्न संख्या **17** मानचित्र सम्बन्धी है, जिसमें लक्षणों को पहचानना तथा महत्वपूर्ण मदों को दर्शाना शामिल है। मानचित्र को उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कीजिए।*

General Instructions :

(i) *Answer **all** the questions. Some questions have choice. Marks are indicated against each question.*

(ii) *Answer to questions no. **1** to **3** carrying **2** marks should not exceed **30** words each.*

(iii) *Answer to questions no. **4** to **9** carrying **4** marks should not exceed **100** words. Students should attempt only **five** questions in this section.*

(iv) *Question **10** (for **4** marks) is a value based question and **compulsory** question.*

(v) *Answer to questions no. **11** to **13** carrying **8** marks should not exceed **350** words.*

(vi) *Questions **14** to **16** are source based questions and have no internal choice.*

(vii) *Question **17** is a **Map question** includes identification and significant test items. Attach the map with the answer-sheet.*

खण्ड - क
PART - A

नीचे दिए गए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2x3=6**

Answer all the questions given below :

1. जैन धर्म के सिद्धांत भारतीय चिंतन परंपरा को कैसे प्रभावित करते हैं? **2**

   How do the principles of Jainism influence Indian thinking ?

2. नाथ और जोगियों ने 14 वीं - 15 वीं शताब्दियों के दौरान उत्तर भारत में किस प्रकार प्रभाव का विस्तार किया? **2**

   How did Naths and Jogis gain ground in the north India during fourteenth and fifteenth centuries ?

3. ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा मद्रास में स्थापित किलेबंदी का नाम लिखिए। इसकी किसी एक विशेषता का उल्लेख कीजिए। **2**

   Name the fortification of East India Company in Madras. Mention any one feature of it.

खण्ड - ख
PART - B

अनुभाग - I
SECTION - I

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **4x5=20**

Answer any five of the following questions :

4. 'पुरातत्वविदों के पास हड़प्पा की केन्द्रीय सत्ता के विषय में कोई उचित उत्तर नहीं है।' प्रमाणों के साथ सिद्ध कीजिए। **4**

   "Archaeologists have no proper response for the central authority of the Harappans." Substantiate.

5. विजयनगर साम्राज्य के विस्तार में कृष्णदेव राय के योगदान पर प्रकाश डालिए। 4

Highlight the contribution of Krishnadeva Raya in the expansion of Vijayanagar Empire.

6. अमरावती स्तूप की नियति साँची स्तूप से कैसे भिन्न थी? स्पष्ट कीजिए। 4

How was the fate of Amravati stupa different from the Sanchi stupa ? Explain.

7. ''मुगल इतिहास पड़ोसी राजनीतिक शक्तियों के साथ राजनयिक रिश्तों और संघर्ष का विवरण देते हैं।'' उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए। 4

"Mughal history provides accounts of diplomatic relationship and conflicts with the neighbouring political powers." Explain with examples.

8. रैयतवारी व्यवस्था क्या थी? रैयतों ने हिंसक रूप क्यों लिया? तीन कारण स्पष्ट कीजिए।

What was the ryotwari system ? Why did the ryots turn violent ? Explain three reasons. 1+3=4

9. 1857 के विद्रोह में अंग्रेजों के विरुद्ध उभरे भारतीय नेतृत्व के स्वरुप की उदाहरणों की मदद से परख कीजिए। 4

With the help of specific examples examine the nature of Indian leadership that emerged against the British in the revolt of 1857.

अनुभाग - II
SECTION - II
मूल्य आधारित प्रश्न (अनिवार्य) 4x1=4
VALUE BASED QUESTION (Compulsory)

10. **निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए :** 4

'**आर्य समाज,** 19 वीं सदी के आखिरी दशकों और प्रारंभिक 20 वीं शताब्दी का यह उत्तर भारतीय हिंदू सुधार आंदोलन (किसी अन्य धर्म में परिवर्तित हुए लोगों को वापस हिंदू बनाना) खास तौर पर पंजाब में सक्रिय था। वह वैदिक शिक्षा को पुनर्जीवित कर उसे विज्ञान की आधुनिक शिक्षा से जोड़ना चाहता था।'

आधुनिक भारत के वैज्ञानिक विकास मार्ग को प्रशस्त करने में मूल्य किस प्रकार समृद्ध भारतीय साहित्य से जुड़े हैं? स्पष्ट कीजिए।

Read the following passage and answer the question that follows :

'Arya Samaj, A North Indian Hindu reform organisation of the late nineteenth and early twentieth centuries, particularly active in Punjab (tried to bring back Hindus who had converted to some other religion) which sought to revive Vedic learning and combine it with modern education in the sciences'.

Illustrate how the values integrated with the rich Indian literature paved way for the scientific development of modern India.

खण्ड - ग
PART - C

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
LONG ANSWER QUESTIONS
नीचे दिए गए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8x3=24
Answer all the questions given below :

11. आइन-ए-अकबरी के गुणों और सीमाओं की परख कीजिए। 8

अथवा

मुगल साम्राज्य की पंचायती व्यवस्था की परख कीजिए। 8

Examine the strengths and weaknesses of Ain-i-Akbari.

OR

Examine the Panchayat system of the Mughal Empire.

12. भारत की संविधान सभा में भाषा के मुद्दे पर काफी बहस हुई। सभा के सदस्यों द्वारा इस विषय पर दी गई दलीलों की परख कीजिए। 8

अथवा

भारत की संविधान सभा ने केन्द्र सरकार की शक्तियों का संरक्षण किस प्रकार किया ? स्पष्ट कीजिए। 8

"Within the Constituent Assembly of India the language issue was intensely debated". Examine the views put forward by the members of the Assembly on this issue.

OR

How did the Constituent Assembly of India protect the powers of the central government ? Explain.

13. अशोक के अभिलेखों में मौर्यों का क्या वर्णन मिलता है? अभिलेख साक्ष्यों की सीमाओं का वर्णन कीजिए। **3+5=8**

अथवा

महाजनपदों की किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। मगध किस प्रकार सबसे शक्तिशाली महाजनपद बना? स्पष्ट कीजिए। **3+5=8**

What does Ashokan inscriptions tell about the Mauryas ? Describe the limitations of the inscriptional evidences.

OR

State any three features of Mahajanpadas. How did Magadha become the powerful Mahajanpada ? Explain.

खण्ड - घ

PART - D

स्रोत आधारित प्रश्न **7x3=21**

SOURCE BASED QUESTIONS

14. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

यूरोप के लिए एक चेतावनी

बर्नियर चेतावनी देता है कि यदि यूरोपीय शासकों ने मुग़ल ढाँचे का अनुसरण किया तो :

उनके राज्य इस प्रकार अच्छी तरह से जुते और बसे हुए, इतनी अच्छी तरह से निर्मित, इतने समृद्ध, इतने सुशिष्ट तथा फलते-फूलते नहीं रह जाएँगे जैसा कि हम उन्हें देखते हैं। दूसरी दृष्टि से हमारे शासक अमीर और शक्तिशाली हैं; और हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि उनकी और बेहतर और राजसी ढंग से सेवा हो। वे जल्द ही रेगिस्तान तथा निर्जन स्थानों के, भिखारियों तथा क्रूर लोगों के राजा बनकर रह जाएँगे जैसे कि वे जिनके विषय में मैंने वर्णन किया है। (मुग़ल शासक) ... हम उन महान शहरों और नगरों को खराब हवा के कारण न रहने योग्य अवस्था में पाएँगे, तथा विनाश की स्थिति में, जिनके जीर्णोद्धार की किसी को चिंता नहीं है, व्यक्त टीले और झाड़ियों अथवा घातक दलदल से भरे हुए खेत, जैसा कि पहले ही बताया गया है।

(14.1) बर्नियर ने मुग़ल शासकों को दोषी क्यों ठहराया है? **3**

(14.2) अबुल-फज़ल की आईने-अकबरी और बर्नियर के विवरण में क्या अंतर है? **2**

(14.3) 'गर्व का अंत होता ही है जब कोई कार्य की उपेक्षा और शक्ति का प्रयोग अन्य पर करता है? कथन के संदर्भ में बर्नियर की चेतावनी को स्पष्ट कीजिए। **2**

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

A warning for Europe

Bernier warned that if European kings followed the Mughal model :

Their kingdoms would be very far from being well-cultivated and peopled, so well built, so rich, so polite and flourishing as we see them. Our kings are otherwise rich and powerful; and we must avow that they are much better and more royally served. They would soon be kings of deserts and solitudes, of beggars and barbarians, such as those are whom I have been representing (the Mughals) ... We should find the great Cities and the great Burroughs (boroughs) rendered uninhabitable because of ill air, and to fall to ruine (ruin) without any bodies (anybody) taking care of repairing them; the hillocks abandon'd, and the fields overspread with bushes, or fill'd with pestilential marishes (marshes), as hath been already intimated.

(14.1) In what ways did Bernier condemn Mughal rulers ?

(14.2) What contrasts do the account of Bernier and Abul Fazl's Ain-i-Akbari ?

(14.3) Pride has its fall if power and negligence of duty rules any one'.

15. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

'कल हम नमक कर क़ानून तोड़ेंगे'

5 अप्रैल, 1930 को महात्मा गाँधी ने दाण्डी में कहा था :

जब मैं अपने साथियों के साथ दाण्डी के इस समुद्रतटीय टोले की तरफ चला था तो मुझे यकीन नहीं था कि हमें यहाँ तक आने दिया जाएगा। जब मैं साबरमती में था तब भी यह अफ़वाह थी कि मुझे गिरफ़्तार किया जा सकता है। तब मैंने सोचा था कि सरकार मेरे साथियों को तो दाण्डी तक आने देगी लेकिन मुझे निश्चय ही यह छूट नहीं मिलेगी। यदि कोई यह कहता कि इससे मेरे हृदय में अपूर्ण आस्था का संकेत मिलता है तो मैं इस आरोप को नकारने वाला नहीं हूँ। मैं यहाँ तक पहुँचा हूँ, इसमें शांति और अहिंसा का कम हाथ नहीं है ; इस सत्ता को सब महसूस करते हैं। अगर सरकार चाहे तो वह अपने इस आचरण के लिए अपनी पीठ थपथपा सकती है क्योंकि सरकार चाहती तो हम में से हरेक को गिरफ़्तार कर सकती थी। जब सरकार

यह कहती है कि उसके पास शांति की सेना को गिरफ़्तार करने का साहस नहीं था तो हम उसकी प्रशंसा करते हैं। सरकार को ऐसी सेना की गिरफ़्तारी में शर्म महसूस होती है। अगर कोई व्यक्ति ऐसा काम करने में शर्मिंदा महसूस करता है जो उसके पड़ोसियों को भी रास नहीं आ सकता, तो वह एक शिष्ट-सभ्य व्यक्ति है। सरकार को हमें गिरफ़्तार न करने के लिए बधाई दी जानी चाहिए भले ही उसने विश्व जनमत का खयाल करके ही यह फैसला क्यों न लिया हो।

कल हम नमक कर कानून तोड़ेंगे। सरकार इसको बर्दाश्त करती है कि नहीं, यह सवाल अलग है। हो सकता है सरकार हमें ऐसा न करने दे लेकिन उसने हमारे जत्थे के बारे में जो धैर्य और सहिष्णुता दिखायी है उसके लिए वह अभिनंदन की पात्र है.....।

यदि मुझे और गुजरात व देश भर के सारे मुख्य नेताओं को गिरफ़्तार कर लिया जाता है तो क्या होगा? यह आंदोलन इस विश्वास पर आधारित है कि जब एक पूरा राष्ट्र उठ खड़ा होता है और आगे बढ़ने लगता है तो उसे नेता की जरूरत नहीं रह जाती।

(CWMG) लेक्टेड वर्क्स ऑफ महात्मा गाँधी खंड 49

(15.1) गाँधी जी ने दांडी मार्च की शुरुआत क्यों की? **2**

(15.2) 'नमक यात्रा' उल्लेखनीय क्यों थी? **3**

(15.3) 'शांति और अहिंसा को सब महसूस करते हैं।' गाँधी जी ने ऐसा क्यों कहा? स्पष्ट कीजिए। **2**

Read the following excerpt carefully and answer the questions that follows :

"Tomorrow we shall break the salt tax law"

On 5 April 1930, Mahatma Gandhi spoke at Dandi :

When I left Sabarmati with my companions for this seaside hamlet of Dandi, I was not certain in my mind that we would be allowed to reach this place. Even while I was at Sabarmati there was a rumour that I might be arrested. I had thought that the Government might perhaps let my party come as far as Dandi, but not me certainly. If someone says that this betrays imperfect faith on my part, I shall not deny the charge. That I have reached here is in no small measure due to the power of peace and non-violence: that power is universally felt. The Government may, if it wishes, congratulate itself on

acting as it has done, for it could have arrested every one of us. In saying that it did not have the courage to arrest this army of peace, we praise it. It felt ashamed to arrest such an army. He is a civilised man who feels ashamed to do anything which his neighbours would disapprove. The Government deserves to be congratulated on not arresting us, even if it desisted only from fear of world opinion. Tomorrow we shall break the salt tax law. Whether the Government will tolerate that is a different question. It may not tolerate it, but it deserves congratulations on the patience and forbearance it has displayed in regard to this party..... What if I and all the eminent leaders in Gujarat and in the rest of the country are arrested ? This movement is based on the faith that when a whole nation is roused and on the march no leader is necessary.

(CWMG) vol. 49 Collected works of Mahatma Gandhi

(15.1) Why did Gandhiji start the Dandi March ?

(15.2) Why was Salt March notable ?

(15.3) 'The power of peace and non-violence are universally felt'. Why did Gandhiji said so ?

16. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

द्रौपदी का विवाह

पांचाल नरेश द्रुपद ने एक स्वयंवर का आयोजन किया जिसमें यह शर्त रखी गई कि धनुष की चाप चढ़ा कर निशाने पर तीर मारा जाए; विजेता उनकी पुत्री द्रौपदी से विवाह करने के लिए चुना जाएगा। अर्जुन ने यह प्रतियोगिता जीती और द्रौपदी ने उसे वरमाला पहनाई। पांडव उसे लेकर अपनी माता कुंती के पास गए जिन्होंने बिना देखे ही उन्हें लाई गई वस्तु को आपस में बाँट लेने को कहा। जब कुंती ने द्रौपदी को देखा तो उन्हें अपनी भूल का एहसास हुआ, किंतु उनकी आज्ञा की अवहेलना नहीं की जा सकती थी। बहुत सोच-विचार के बाद युधिष्ठिर ने यह निर्णय लिया कि द्रौपदी उन पाँचों की पत्नी होगी।

जब द्रुपद को यह बताया गया तो उन्होंने इसका विरोध किया। किंतु ऋषि व्यास ने उन्हें इस तथ्य से अवगत कराया कि पांडव वास्तव में इंद्र के अवतार थे और उनकी पत्नी ने ही द्रौपदी

के रूप में जन्म लिया था। अत: नियति ने ही उन सबका साथ निश्चित कर दिया था।

व्यास ने यह भी बताया कि एक बार युवा स्त्री ने पति प्राप्ति के लिए शिव की आराधना की और उत्साह के अतिरेक में एक के बजाय पाँच बार पति प्राप्ति का वर माँग लिया। इसी स्त्री ने द्रौपदी के रूप में जन्म लिया तथा शिव ने उसकी प्रार्थना को परिपूर्ण किया है। इन कहानियों से संतुष्ट होकर द्रुपद ने इस विवाह को अपनी सहमति प्रदान की।

(16.1) यह कहानी किस प्रकार दर्शाती है कि माता को सबसे बड़ा गुरु माना जाता था? **2**

(16.2) कुंती ने द्रौपदी को भीषण परिस्थिति से क्यों नहीं बचाया? **3**

(16.3) ऋषि व्यास और द्रुपद ने पाँच पुरुषों के साथ द्रौपदी के अनोखे विवाह को क्यों मान्यता दी? **2**

Read the following excerpt carefully and answer the questions that follow :

Draupadi's Marriage

Drupada, the king of Panchala, organised a competition where the challenge was to string a bow and hit a target; the winner would be chosen to marry his daughter Draupadi. Arjuna was victorious and was garlanded by Draupadi. The Pandavas returned with her to their mother Kunti, who, even before she saw them, asked them to share whatever they had got. She realised her mistake when she saw Draupadi, but her command could not be violated. After much deliberation, Yudhisthira decided that Draupadi would be their common wife. When Drupada was told about this, he protested. However, the seer Vyasa arrived and told him that the Pandavas were in reality incarnations of Indra, whose wife had been reborn as Draupadi, and they were thus destined for each other. Vyasa added that in another instance a young woman had prayed to Shiva for a husband, and in her enthusiasm, had prayed five times instead of once. This woman was now reborn as Draupadi, and Shiva had fulfilled her prayers. Convinced by these stories, Drupada consented to the marriage.

(16.1) How does this story reveal that mother was considered as the highest guru ?

(16.2) Why didn't Kunti save Draupadi from the dire situation ?

(16.3) Why did Drupada and Sage Vyasa decide Draupadi's strange marriage with five men ?

खण्ड - ङ

PART - E

मानचित्र प्रश्न 2+3=5

MAP QUESTIONS

17. (17.1) भारत के दिए हुए राजनीतिक रेखा-मानचित्र (पृष्ठ 15) पर निम्नलिखित को उपयुक्त चिन्हों से दर्शाइये तथा उनके नाम लिखिए : **1x2=2**

(क) वह स्थान जहाँ से गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन वापस लिया।

(ख) आगरा, मुगलों का एक राजधानी नगर।

(17.2) भारत के दिए हुए उसी रेखा-मानचित्र पर विकसित हड़प्पा स्थल से संबंधित तीन केन्द्र A, B और C अंकित किए गए हैं। उन्हें पहचानिए तथा सही नाम उनके समीप खींची गईं रेखाओं पर लिखिए। **1x3=3**

(17.1) On the given political outline map of India (on page 15), locate and label the following with appropriate symbols :

(a) The place where Gandhiji called off Non Cooperation Movement.

(b) Agra, the imperial capital of Mughal.

(17.2) On the same outline map of India, three paces related to the mature Harappa sites have been marked as A, B and C. Identify them and write their correct names on the lines drawn near them.

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परिक्षार्थियों के लिए प्रश्न सं. 17 के स्थान पर हैं : **1+1+3=5**

(17.1) उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन वापस लिया।

(17.2) मुगल शासन के किसी एक राजधानी नगर का नाम लिखिए।

(17.3) किन्हीं तीन विकसित हड़प्पा स्थलों का नाम लिखिए।

Note : The following questions are for the visually impaired candidates only in lieu of Q.17.

(17.1) Mention the place where Gandhiji called off Non-Cooperation Movement.

(17.2) Name any one capital city of Mughal Empire.

(17.3) Name any three mature Harappan Sites.

प्रश्न सं 17.1 और 17.2 के लिए।

For question no. 17.1 and 17.2.

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)

Outline Map of India (Political)

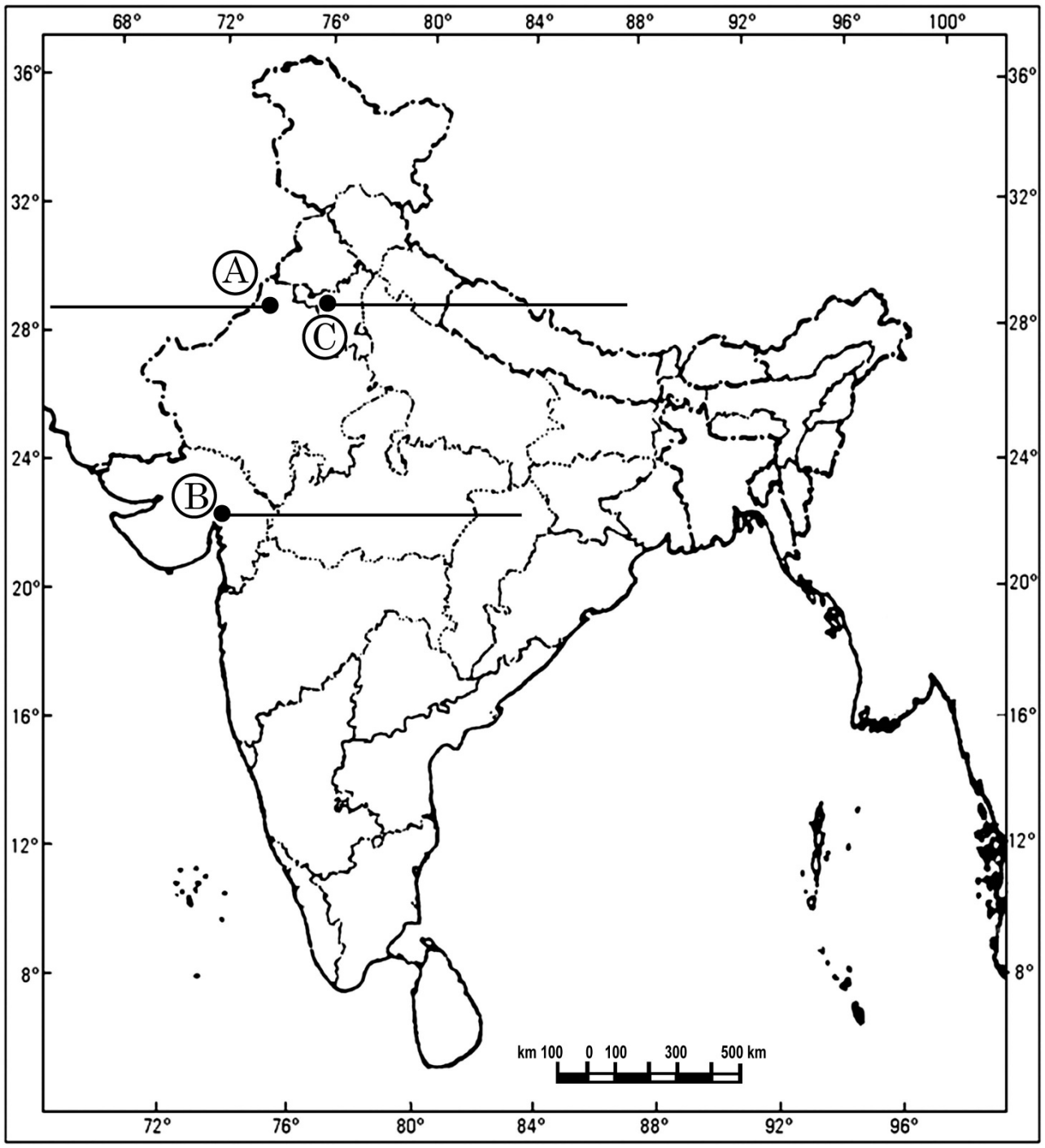

Cut here / यहाँ से काटें